



(३६)

| | |
|---------------------------------|--------------------------|
| माज्य राजरिन कर दया, | वर दया ही भवानी, |
| कर दयायि हंज दृष्टी, | सुय छम बड मेहरवानी० |
| आय लारान चे निश योर, | कर्म खुर्य भवानी, |
| मत्तअ बुछतम म्यान्थन कर्मन कुन, | स्वय छम बड पशेवानी |
| कुताम रोजि युन तय गछुन, | कुताम रोजि केशुन त वदुन, |
| तार दिवान सारिनई छक, | असि त रोज तारानी० ॥३॥ |
| कुपुत्र छु माजि आसान, | माज छनय तसति रोशान, |
| असि मंगान चानी दया, | जगतच राजरानी० ॥४॥ |
| नखि छखय डखि छखन चई, | चे सिवा कांह न म्योनुय |
| दोह त रात चोनुय फिरान, | अख अजाव रुहानी० ॥५॥ |
| ओश वसान चालि चालि, | माज्य भवानी हावी दर्शुन० |
| कॅह नय छुम तगान बोजुन, | कॅह नय छुस व जानानी० ॥ |

(१)

| | |
|-------------------------|--------------------------|
| बूजमुत छु हलि मुशकिल, | बनि असि योर तवय आय, |
| अख रक्षा करतय वज्य गोर, | हिमालयच राज रानी० ॥७॥ |
| दास छिय दर इन्तिजार, | भव सागरस वज्य दि तार, |
| लेम्बि मञ्ज पम्पोश खार, | बोवतय च म्यान जारी०॥८ |
| अष्टा दश भुजा च छख, | जगतस च बागरानी, |
| असि त आमत छि डेडि तल, | अनुग्रह छिय मंगानी० । |
| दास आसस चोन दरवार, | दारि ओश छुम वसानी० |
| कन थव बोज फरियाद, | नाद छुसय लायानी ॥१० |
| पाप शाप कोसतमी चय, | गालतमी पापन हुन्द बरि, |
| गीर्य कोरहस ब पापव, | केन्ह नय छुम वज्य तगानी० |
| लोकचारय मशिथ गोम, | बुजरस वज्य चेतस प्योम, |

(3)

काँह नय गाफिला छु म्य हू ,
दासस म्य दशुन च हाव,
लोलह चानि दोह तय रात,
माज्य राज्ञ्या कर दया,
कर दयायि हंज दृष्टि,

क्रजिलि पोज्य सारानी०
सन्नमुख माज्य भवानी,
अख अजाव रुहानी० ।
वर दयो ही भवानी,
स्वय छय बड मेहरवानी ॥

Printed at:

**Krishna Printing Press, Kothi-Bagh,
SRINAGAR-KASHMIR**
